भारत सरकार
पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारां कत प्रश्न सं. 3224
दिनांक 9 दिसम्बर, 2019

इथनॉल का उत्पादन

3224. श्री नलीन कुमार कटीलः
श्री सुधाकर तुकाराम श्रंगरेः
श्री महेश साहूः
सुश्री प्रतिमा भौ मकः
श्रीमती दर्शना वक्रम जरदोशः
श्री अजय निषादः

क्या पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कः

(क) क्या परम्परागत ईंधनों के मुकाबले इथनॉल और जैव-डीजल जैसे वैकल्पिक ईंधनों में अनेक वशेषताएं हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इस समय देश में कुल खपत की तुलना में इसका कतने प्रतिशत उत्पादन होता है;

(ख) कसानों को और अ धक इथनॉल उत्पादित करने के लए प्रोत्साहन देने के लए क्या कदम उठाए गए हैं और क्या मंत्रालय ने जैव-ईंधन फसलों की खेती में वृ द्ध करने के लए कृ ष मंत्रालय और कृषक कल्याण तथा राज्य सरकारों से संपर्क कया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार का वचार जैव-डीजल के वकास की प्र क्रया में स्थानीय संस्थानों की बेहतर प्रतिभा गता के माध्यम से सामुदायिक प्रतिभा गता और उद्य मता को बढ़ावा देने के लए कदम उठाने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ) क्या सरकार का वचार कोई राष्ट्रीय जैव-डीजल वकास बोर्ड गठित करने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा जैव-ईंधन का बड़े पैमाने पर उत्पादन और संवर्धन के लए की गई पहलों, अनुसंधान और वकास तथा अनुसंधान एवं अन्य क्या उपाय कए गए हैं?

उत्तर
पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस मंत्री
(श्री धर्मेन्द्र प्रधान)

(क): जैव ईंधनों का उत्पादन नवीकरणीय बायोमास संसाधनों और प्रयुक्त खाद्य तेल, प्लास्टिक, नगरपा लका ठोस अप शष्ट, अप शष्ट गैसों जैसे अप शष्टों से कया जाता है और ये पारंपरिक ऊर्जा संसाधनों में वृ द्ध करके, आयातित जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता में कमी करके पर्यावरण के अनुकूल तरीके से दीर्घका लक आधार पर उच्च स्तर की राष्ट्रीय

ऊर्जा सुरक्षा उपलब्ध करवाते हैं और भारत की शहरी और बड़ी ग्रामीण आबादी की ऊर्जा की ज़रूरतें पूरी करते हैं। तेल वपणन कंपनियां (ओएमसीज) अगस्त 2015 से जैव डीजल मश्रण कार्यक्रम के लए जैव डीजल की अ धप्राप्ति कर रही हैं और ओएमसीज द्वारा अप्रैल, 2019– अक्तूबर, 2019 के दौरान 8.62 करोड़ लीटर जैव डीजल की अ धप्राप्ति की गई है।

(ख): एथेनॉल का उत्पादन आसवनियों द्वारा व भन्न प्रकार के फीड स्टॉक्स से कया जाता है। एथेनॉल के उत्पादन को बढ़ावा देने के लए सरकार ने फीड स्टॉक पर निर्भर करते हुए एथेनॉल के उत्पादन हेतु लाभकारी मूल्यों की घोषणा की है।

(ग): सरकार ने राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति – 2018 को अ धसू चत कया है जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ जैव ईंधन उत्पादन हेतु स्वदेशी फीड स्टॉक आपूर्ति बढ़ाने में ग्राम पंचायतों और समुदायों की महत्वपूर्ण भू मका की परिकल्पना की गई है। इस नीति में ग्राम पंचायतों और तालुकों के तहत स्थानीय समुदायों के जरिए बंजर भू म से फीड स्टॉक के उत्पादन हेतु गैर-खाद्य तेल के बीजों वाले पेड़ लगाने और फसलें उगाने का लक्ष्य भी रखा गया है। कसानों को अपने सीमांत भू म पर अंतर फसल के रूप में और जब उनके द्वारा वर्षा पर निर्भर करने वाली दशाओं के तहत केवल एक ही फसल उगाई जाती है तो दूसरी फसल के रूप में व भन्न प्रकार के बॉयोमास और साथ ही तेल बीजों की फसल उगाने के लए प्रोत्साहित कया जाता है।

(घ): राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति – 2018 के अनुसार इस मंत्रालय ने समग्र समन्वय, प्रभावी कार्यान्वयन और जैव ईंधन कार्यक्रम पर निगरानी रखने के लए पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस मंत्री की अध्यक्षता में एक राष्ट्रीय जैव ईंधन समन्वय स मति (एनबीसीसी) का गठन कया है। इसके अलावा, इस मंत्रालय द्वारा जैव ईंधन के कार्यान्वयन पर निगरानी रखने के लए जैव ईंधनों के क्षेत्र में प्रतिष्ठित व्यक्तियों और तकनीकी वशेषज्ञों को शा मल करते हुए एक कार्य समूह भी गठित कया है।

राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति – 2018 में अन्य बातों के साथ-साथ प्रयुक्त खाद्य तेल (यूसीओ) से जैव डीजल के उत्पादन की परिकल्पना की गई है। यूसीओ से बड़े पैमाने पर जैव डीजल के उत्पादन को बढ़ावा देने के लए ओएमसीज ने पूरे देश के 200 स्थलों से यूसीओ से उत्पादित जैव डीजल की अ धप्राप्ति के लए रु च की अ भव्यक्ति आमंत्रित की है।

******